सांध्य दैनिक

4PM

अगर आप सच में खुद से प्यार करते हैं तो आप कभी भी किसी को दु:ख नही पहुंचा सकते।

–गौतम बुद्ध

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 134 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 18 जून, 2024

पूरन के तूफान में उड़ा... 7 | हार के बाद सियासी दलों में... 3 | बिजली कटौती व दर बढ़ाने... 2

एनडीए व इंडिया गठबंधन में मची रार

लोस स्पीकर को लेकर गरमा रहे सियासी बोल

» आम सहमति से अध्यक्ष बनाना मुश्किल, विपक्ष नहीं चाहता भाजपा का प्रत्याशी

» जदयू व टीडीपी का कैंडिडेट होने पर विपक्ष करेगा विचार

» लोकसभा अध्यक्ष का होना है चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 24 जून से लोकसभा का सत्र शुरू होने वाला है। इसी समय लोकसभा अध्यक्ष या स्पीकर का चुनाव होगा। उससे पहले स्पीकर के चयन को लेकर सियासत भी तेज हो गई है। संसद में सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी अपनी पार्टी का ही कोई सदस्य इस पद पर बिठाना चाहती है जबकि इंडिया गठबंधन की इच्छा है बीजेपी को छोड़कर एनडीए के अन्य सहयोगी जदयू या टीडीपी से अगर कोई नाम लोस स्पीकर के लिए आता है तो वह उसके नाम पर विचार करेगी। नहीं तो वह अपना भी उम्मीदवार उतार सकती है।

24 जून को शुरू होगा संसद का सत्र

हालांकि अभी किसी के नाम की सुगबुगाहट नहीं है। परंपरा के अनुसार लोकसभा का अध्यक्ष आपसी सहमति से नियुक्त होता रहा है। इसबार समीकरण बदले हुए हैं सता पर भाजपा-जदयू-टीडीपी की एनडीए गठबंधन की सरकार काबिज है। विपक्ष में कांग्रेस की इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ संसद में पहुंची है अब देखना होगा कि स्पीकर बातचीत से बनता है संसद के पहले ही सत्र में चुनाव के रास्ते लोस अध्यक्ष की कुर्सी पर कोई काबिज होता है।

रेल दुर्घटना व ईवीएम हैक पर भी मोदी सरकार विपक्षी निशाने पर

वहीं जबसे एनडीए सरकार बनी है उस पर मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अभी नीट परीक्षा को लेकर सरकार पर चौतरफा हमला जारी है इस बीच अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने ईवीएम को हैक होने वाली बात करके भारत में बवाल मचा दिया विपक्ष जहां एनडीए सरकार घेर रहा है तो वहीं चुनाव आयोग व भाजपा ने इन बातों को बेबुनियाद बताकर आरोपों को खारिज कर दिया है। उधर पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में कंचनजंघा एक्सप्रेस की दुर्घटना में कई लोगों की मौत व घायल होने पर भी एनडीए की मोदी सरकार पर विपक्ष ने जोरदार हमला किया है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने रेल मंत्री से इस्तीफा मांगा और उन लापरवाही का आरोप लगाया है। उधर सरकार ने पीड़ितों को पूरी सहायता देने का भरोसा जताते हुए विपक्ष से राजनीति न करने की अपील की है।

संस्थाओं में जवाबदेही की कमी : राहुल गांधी

“एलन मस्क की बात पर राहुल गांधी ने भी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है।

ईवीएम को एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना : मस्क

दिग्गज कंपनी टेस्ला और सोशल मीडिया साइट एक्स (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को चुनावी प्रक्रिया से हटा देना चाहिए। क्योंकि इसे इंसानों और एआई के जरिए हैक किए जाने संभावना कम होने के बावजूद कुछ हद तक है।

टेक्नोलॉजी समस्या दे तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर से ईवीएम पर शक जताया है। उन्होंने यह बात एलन मस्क के एक बयान के बाद यह बात कही है। ने लिखा कि टेक्नोलॉजी समस्याओं को दूर करने के लिए होती है, अगर वही मुश्किलों की वजह बन जाए तो उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए।

संसद सत्र से पहले रक्षामंत्री के आवास पर आज होगी बैठक

» कई मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

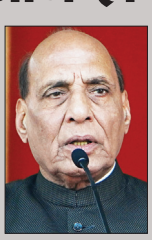

नई दिल्ली। 24 जून से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू होगा। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर मंगलवार शाम को मंत्रिसमूह की बैठक होने जा रही है। इस बैठक में लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर चर्चा होने की संभावना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर होने वाली मंत्रिसमूह की बैठक में संसद सत्र के दौरान एनडीए गठबंधन के सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने और कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। आजादी के बाद से अबतक देश में लोकसभा अध्यक्ष का चयन सर्वसम्मति से होता रहा है। मगर इस बार विपक्ष ने लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगा है।

केंद्र व एनटीए को सुप्रीम फटकार, गलती करे स्वीकार

» नीट पेपर विवाद : एग्जाम पर सख्त है शीर्ष कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर परीक्षा को आयोजित करने में कोई गलती हुई है, तो उसे स्वीकार करना चाहिए। इसमें सुधार की भी जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवीएन भट्टी की वकेशन बेंच ने माना कि इसमें कोई कोई गड़बड़ी हुई है। केंद्र और एनटीए को फटकार करते हुए कहा कि लाखों बच्चों ने बहुत मेहनत की है, हम उसे नजरंदाज नहीं कर सकते हैं।

नीट मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अपना और सख्त दिखाते हुए एनटीए को चेताया और कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत लापरवाही भी हुई है, तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। बच्चों ने परीक्षा की तैयारी की है, हम उनकी मेहनत भूल नहीं सकते. याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के तौर पर ना लें।

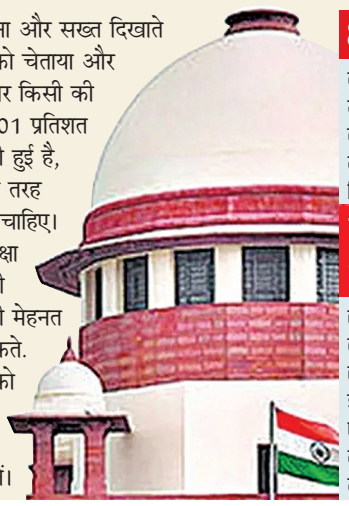

8 को पूरी तैयारी के साथ आएं

दूसरी याचिकाओं के साथ मामले की सुनवाई 8 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को कहा कि वह आठ जुलाई को तैयार होकर आएं। इसके साथ ही नई याचिकाओं पर भी केंद्र और एनटीए को नोटिस दिया गया है और दो हफ्ते में जवाब मांगा गया है।

सोचिए कुछ भी गड़बड़ी हुई तो कैसा डॉक्टर समाज को मिलेगा : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ऐसी स्थिति की कल्पना करें जहां कोई व्यक्ति सिस्टम के लिए नुकसानदायक हो जाए या समझिए अगर कुछ भी गड़बड़ी हुई तो सोचिए कैसा डॉक्टर समाज में आ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से ये भी कहा कि वो छात्रों की शिकायत को नजरअंदाज न करें। अगर एग्जाम में वाकई कोई गलती हुई है तो उसे समय रहते सुधारा जाए।

बिजली कटौती व दर बढ़ाने से सियासी करंट के झटके

» विपक्ष ने बीजेपी की योगी सरकार को घेरा

» अखिलेश बोले- जनता से हार का बदला ले रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली के मुद्दे पर सियासत गरम हो गई है। सपा ने बिजली कटौती और दरें बढ़ाकर मतदाताओं से हार का बदला लेने तो कांग्रेस ने सरकार पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि ऊर्जा मंत्री 24 घंटे आपूर्ति का झूठा दावा कर रहे हैं। ग्रामीण इलाके ही नहीं शहरी इलाके में भी अंधाधुंध कटौती की जा रही है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में अपनी हार से बौखलाई भाजपा सरकार प्रदेश के मतदाताओं को हर तरह से परेशान करके बदला लेने पर उतारू है।

भीषण गर्मी से तपते माहौल में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा खोखला है। बिजली कटौती से कहीं पानी नहीं मिल रहा है तो कहीं भीषण गर्मी में लोग बिलख रहे हैं। दूसरी तरह बिजली दर बढ़ाने का कोई न कोई रास्ता ढूंढा जा रहा है।

पहले आपूर्ति सुधारें, फिर दर बढ़ाने की हो बात : राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा पूरी तरह से झूठा है। ग्रामीण इलाके में मुश्किल से 10 से 12 घंटे बिजली मिल रही है। लोकल फाल्ट से उपभोक्ताओं का कोई लेना देना नहीं है, उसे कितने घंटे बिजली मिल रही है, यह महत्वपूर्ण है। बिजली दर में किसी भी कीमत पर बढ़ोतरी नहीं होनी चाहिए। पूर्वांचल में बिजली कटौती होने की वजह से छोटे-छोटे कारखाने बंदी के कगार पर पहुंच गए हैं।

बिजली दरें बढ़ाना निंदनीय : हीरालाल

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के राज्य सचिव हीरालाल यादव ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन द्वारा ग्रामीण विद्युत दरों की वृद्धि के लिए अलग-अलग रास्ता ढूंढा जाना निंदनीय है। निदेशक मंडल की ओर से पारित किए गए प्रस्ताव से तमाम उपभोक्ताओं को करीब दो से ढाई रुपये महंगे दर पर भुगतान करना होगा। इसलिए ऐसे प्रस्ताव को खारिज किया जाए।

अग्निपथ योजना किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं : हुड्डा

» बोले- पक्की भर्ती से कम में नहीं मानेगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक। कांग्रेस के नवनिर्वाचित सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आइएनडीआइए गठबंधन पूरे देश में लागू अग्निपथ योजना को किसी सूरत में स्वीकार नहीं करेंगे। कांग्रेस लोकसभा में अग्निपथ योजना को वापस लेने की निर्णायक लड़ाई लड़ेगी। अग्निपथ योजना को लागू कर सरकार वन रैंक-वन पेंशन की बजाय नो रैंक-नो पेंशन की नीति पर आ गई है। इस योजना को लागू कर सरकार हर साल 1054 करोड़ रुपये की बचत करना चाह रही है, जबकि उसे देश की सेनाओं, देश की सुरक्षा और देश के युवाओं के हितों से कोई लेना देना नहीं है।

दीपेंद्र ने कहा कि देश की सेनाओं में पक्की भर्ती से कम पर कांग्रेस नहीं मानेगी। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए रोहतक के नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि अग्निपथ योजना न तो देश की सुरक्षा के हित में है और न ही युवाओं के लिए लाभकारी है। यह भाजपा के चुनाव घोषणा पत्र में भी नहीं थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर भाजपा सरकार ऐसी घातक योजना देश में क्यों और किसके कहने पर लेकर आई।

देश के भविष्य युवाओं के साथ अन्याय बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : संजय सिंह

नई दिल्ली। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि अग्निवीर बनाकर आपके पेट और सीने, दोनों पर ही लात मारा जा रहा है। देश के 2 करोड़ बच्चों का चार साल में पेपर लीक से भविष्य खराब हुआ है। देश के पीएम कभी मुजरा और मटन की बात करते हैं। पीएम को नौजवानों की चिंता नहीं है। संजय सिंह ने प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम लोग संसद के सत्र में इस मामले को उठाएंगे। यह शिक्षा मंत्रालय का घोटाला है। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

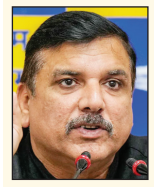

पीएम मोदी का सबका साथ, सबका विश्वास क्या सिर्फ जुमला : मीसा

» यादवों के खिलाफ जदयू सांसद की टिप्पणी पर राजद ने की कड़ी आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता देवेश चंद्र ठाकुर की यादवों और मुसलमानों पर टिप्पणी कर दी है। इस टिप्पणी पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की मीसा भारती ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पूछा कि देवेश चंद्र ठाकुर क्या संदेश भेजने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, उन्हें ऐसा बयान क्यों देना पड़ा? उन्होंने चुनाव जीता है और अब उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है।

बिहार के पाटलिपुत्र सीट से निर्वाचित लोकसभा सदस्य मीसा भारती ने कहा कि यदि वह इस तरह के बयान दे रहे हैं तो वह क्या संदेश देना चाह रहे हैं? उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास नारे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि सबका साथ, सबका विश्वास होना चाहिए। तो फिर उनके सांसद ऐसी टिप्पणियां क्यों करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की भारतीय जनता पार्टी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) सहयोगी हैं। उन्होंने कहा, ठाकुर ऐसा क्यों कह रहे हैं और इसका क्या कारण है? सीतामढ़ी के लोगों को इसका पता लगाना होगा। उन्होंने अपना नेता इसलिए चुना है ताकि वह क्षेत्र की प्रगति में मदद कर सके। भारती ने सवाल किया' वह ऐसे बयान क्यों दे रहे हैं जिससे उनके क्षेत्र के लोगों में विभाजन पैदा होगा।'' हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में ठाकुर सीतामढ़ी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए।

सांसद ने मुस्लिम और यादव समुदाय का काम न करने की बात कही थी

एक दिन पहले वरिष्ठ राजनेता ने दावा किया था कि राज्य के मुस्लिम और यादव समुदाय - जो राजद के मुख्य मतदाता हैं - ने लोकसभा चुनाव में उन्हें वोट नहीं दिया। मुस्लिम समुदाय का एक व्यक्ति किसी काम से मेरे पास आया। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने आरजेडी को वोट दिया? तो उन्होंने जवाब दिया कि हां, उन्होंने लालटेन (आरजेडी का चुनाव चिह्न) को वोट दिया। मैंने उससे कहा कि चाय और मिठाई खाकर चले जाओ, फिर मैं तुम्हारा काम नहीं करूंगा। उन्होंने (मुस्लिम और यादवों ने) सिर्फ इसलिए तीर (जेडीयू का चुनाव चिन्ह) को वोट नहीं दिया क्योंकि उन्हें हमारे चुनाव चिन्ह में नरेंद्र मोदी का चेहरा दिखाई दिया। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा दोनों समुदायों के लोगों की मदद की है, फिर भी किसी ने हमें वोट नहीं दिया।

भाजपा के लिए काम करने वालों को बंगाल में पीटा जा रहा : रविशंकर

» बीजेपी की केंद्रीय टीम ने चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात कर ममता सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हुए हिंसा की जांच के लिए भाजपा फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाया गया है। यह फैक्ट फाइंडिंग कमेटी (भाजपा की केंद्रीय टीम) ने दक्षिण 24 परगना में चुनाव के बाद हुए हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की। इस कमेटी में सांसद अग्निमित्रा पॉल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रविशंकर प्रसाद और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बिप्लब कुमार देब शामिल हैं।

इस मामले पर रविशंकर प्रसाद ने ममता बनर्जी की सरकार को घेरा। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बाद की। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी सरकार) की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, हर तरफ एक ही कहानी है। अगर आप भाजपा के लिए काम करते हैं तो आपको पीटा जाएगा। अगर आप यहां आएंगे तो आपकी पत्नी और परिवार को हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। ममता जी यह आपकी सरकार है। यहां महिलाओं को पीटा जाता है। यह बहुत गंभीर मामला है। ममता जी आपको शर्म आनी चाहिए। एक चीज, जो मैं पुलिस को कहना चाहता हूं, हमारे कार्यकर्ताओं ने आपके सामने अपनी दुर्दशा व्यक्त की। अगर पुलिस ने उनके खिलाफ एक भी फर्जी मामला दर्ज किया तो ये गलत है। हम इसे राष्ट्रीय स्तर पर पूरी गंभीरता से लेंगे। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा, यह गांव शांत है। यहां कोई भी नहीं है। यह वह जगह है, जहां भाजपा कार्यकर्ता आकर बैठते थे। लेकिन अब वे नहीं आते हैं, क्योंकि वे अब डर में है। विरोध के रुप में हम यहां बैठे हैं। ये कैसा शासन है ममता बनर्जी का? हम लोगों की तलाश कर रहे हैं। वे सभी कहां गए? उन्होंने बताया कि पूरे गांव को खाली कर दिया गया है।

पीएम मोदी की विचारधारा नष्ट हो गई : राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। चुनाव नतीजों के बाद एक अखबार को दिए इंटरव्यू में राहुल गांधी ने कहा, मोदी की छवि नष्ट हो गई है। मोदी की विचारधारा नष्ट हो गई है।

राहुल ने कहा, बीजेपी का बुनियादी ढांचा और धार्मिक वैमनस्यता फैलाने की उनकी विचारधारा चरमरा गई है। राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार को टिकने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा, इन चुनाव के अप्रत्याशित नतीजों के बाद भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक बदलाव आया है और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। राहुल गांधी ने कहा, ये विचारधारा कि आप नफरत फैलाएंगे, गुस्सा फैलाएंगे और उसका आपको फायदा मिलेगा। भारत के लोगों ने इस चुनाव में इस विचारधारा को नकार दिया। उन्होंने कहा, यही वजह है कि इस बार सत्ताधारी गठबंधन संघर्ष करेगा, क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जो काम आया वह काम नहीं कर रहा है।

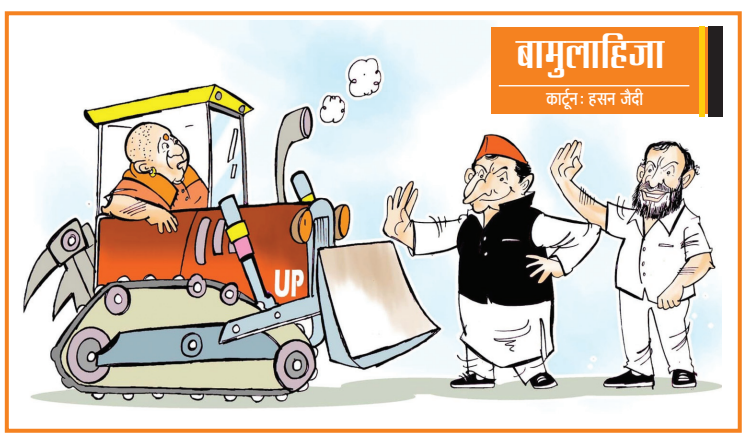

हार के बाद सियासी दलों में मचा रार

बीजेपी की समीक्षा, अन्य दल भी कारण ढूंढने में जुटे

- कांग्रेस प्रदर्शन से खुश पर आगे के लिए सजग
- सपा-टीएमसी-राजद ने भी शुरू किया मंथन
- बसपा प्रमुख की पार्टी को मिली हार की रिपोर्ट
- राजभर के गले पड़ी हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई सरकार आ चुकी है। बीजेपी व सहयोगियों के साथ एनडीए ने काम करना शुरू कर दिया है। एनडीए को 292 सीटें मिलीं है। पर उसने 350 के ऊपर सीटें सोची थीं पर उतनी नहीं मिली जबकि सबसे बड़ी पार्टी भी पिछले बार के 303 सीटों की अपेक्षा 240 पर सिमट गई और अपने बलबूते बहुमत की सरकार बनाने से रह गई। वहीं कांग्रेस व साथी दलों 234 सीटें लाकर एक मजबूत विपक्ष बनाकर बीजेपी को वैशाखी के सहारे सरकार चलाने को मजबूर कर दिया। अब इन परिणामों के आने के बाद सियासी पार्टियों में हार पर मंथन शुरू हो गया। बसपा जैसे दलों ने तो अपनी रिपोर्ट तक तैयार करवा लिया है। जबकि भाजपा, कांग्रेस से लेकर अन्य सत्ता पक्ष विपक्ष से जुड़े सियासी दलों ने अपनी-अपनी हार के कारणों पर चर्चा शुरू कर दिया। हालांकि यूपी में अखिलेश, प.बंगाल में ममता व महाराष्ट्र में कांग्रेस की गठबंधन नेकमाल करके राजग गठबंधन पर नकेल लगा दी है।

जो छड़ी चुनाव चिन्ह सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की शान हुआ करती थी। वही छड़ी अब ओम प्रकाश राजभर की लोकसभा चुनाव में मिली हार की वजह बन गई। पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने ना सिर्फ इसका खुलासा किया। बल्कि, छड़ी चुनाव चिन्ह को बदलने के लिए पार्टी नेताओं से राय भी मांगी। सुभासपा घोसी सीट पर मिली डॉ अरविंद राजभर की हार के मंथन में जुटी है। मंथन में हार की एक वजह पार्टी का चुनाव चिन्ह छड़ी भी पाया गया। हुआ यूं कि घोसी लोकसभा सीट से एनडीए के संयुक्त प्रत्याशी के रूप में ओम प्रकाश राजभर के बेटे डॉ अरविंद राजभर मैदान में थे। उनका चुनाव चिन्ह छड़ी था, जो ईवीएम में ऊपर से तीसरे नंबर पर था। घोसी सीट से ही मूलनिवास समाज पार्टी की प्रत्याशी लीलावती राजभर भी मैदान में थीं और चुनाव आयोग ने लीलावती को 'हॉकी' चुनाव चिन्ह आवंटित किया था। जो ईवीएम में नीचे से तीसरे नंबर पर था। लीलावती को इस चुनाव में 47,527 वोट मिले।

गफलत में कटा वोट

सुभासपा का मानना है कि उनका वोट गफलत में लीलावती को मिला है। सुभासपा ने अपने वोटरों से बताया था कि ईवीएम मशीन में ऊपर से तीसरे नंबर पर उनका चुनाव चिन्ह छड़ी है। लेकिन, 'छड़ी' और 'हॉकी' मिलते जुलते चुनाव चिन्ह थे। इसलिए सुभासपा के वोटर गलती से ऊपर से तीसरे नंबर पर छड़ी का बटन दबाने के बजाए नीचे से तीसरे नंबर के हॉकी के बटन का दबा आए। जिसकी वजह से लीलावती को इतना वोट मिला। हार के मंथन में यह बात भी सामने आई कि कुछ मतदाता हॉकी और छड़ी को लेकर असमंजस में हो गए, जिसके चलते उन्होंने दूसरे को वोट दे दिया।

पुरुष वोटर्स ज्यादा

ऐसे में बड़ी तादाद में महिलाएं और बुजुर्ग गावों में पीछे रह जाते हैं, इसीलिए ये राज्य का बड़ा वोट बैंक है। यही वजह है कि पश्चिम बंगाल उन राज्यों में से एक है जहां महिला वोटरों की संख्या पुरुष वोटरों से कहीं ज्यादा है। राज्य में तीन साल पहले हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने ये बात समझी थी और इसलिए उसने प्रचार के दौरान महिलाओं के मुद्दों के इर्द गिर्द ही रखा, नारे में खुद को बंगाल की बेटी कहा था। अपनी सरकार बनने के बाद ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना और कन्याश्री जैसी स्कीम की शुरुआत की, जिसके तहत महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं, तो एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं को 1200 रुपये मिलते हैं। 2024 के परिणाम देखकर लगता है कि ममता ने अपने इस वोट बैंक को दूर छिटकने नहीं दिया।

बिहार में गिरिराज सिंह व तेजस्वी यादव में जुबानी जंग

केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से भाजपा के नव निर्वाचित सांसद गिरिराज सिंह ने शनिवार को यहां राजद नेता तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जनता ने जिसे व्हील चेयर पर बैठाकर झुनझुना पकड़ा दिया, वही आज बोल रहे हैं। मोदी की तीसरी सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने के बाद सिंह पहली बार पटना पहुंचे। पटना पहुंचने पर हवाई अड्डे पर एनडीए के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रदेश और केंद्र की सरकार मिलकर बिहार का विकास करेंगे। पटना पहुंचने पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए सिंह ने विरोधियों पर निशाना साधा और कहा कि उन लोगों को जनता ने झुनझुना दिखा दिया है। मोदी ने बिहार को आठ मंत्रियों के सहारे विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जायेंगे। प्रदेश और केंद्र की सरकार मिलकर किसान, मजदूर, बुनकरों के विकास के काम करेंगे, यही लक्ष्य है। उन्होंने जनता को इसके लिए बधाई भी दी।

तेजस्वी यादव को जनता ने थमाया झुनझुना : गिरिराज

विपक्ष के नेता तेजस्वी के यादवों की हत्या किए जाने के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती। विपक्ष के ज्यादा दिनों तक सरकार नहीं चलने के बयान पर कटाक्ष करते हुए टेक्सटाइल विभाग मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जनता ने जिसे व्हील चेयर पर बैठाकर झुनझुना पकड़ा दिया, वही आज बोल रहे हैं। भाजपा के फायर ब्रांड नेता माने जाने वाले गिरिराज सिंह हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में बेगूसराय से चुनाव जीते हैं।

अजित पवार का विकल्प! तलाशेंगे शरद पवार

बारामती में फिर से पवार बनाम पवार की लड़ाई देखने को मिल सकती है। सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई के बाद, पवार के गढ़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र पवार के बीच एक और लड़ाई देखने को मिल सकती है। अजित पवार बारामती से मौजूदा विधायक हैं। यदि युगेंद्र को बारामती से टिकट दिया जाता है, तो यह राजनीतिक वर्चस्व के लिए चाचा-भतीजे की एक और लड़ाई की शुरुआत होगी जैसा कि पिछले कुछ वर्षों में चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच देखा गया है। एक प्रतिनिधिमंडल ने बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की, जहां वह सूखा प्रभावित क्षेत्रों के तीन दिवसीय दौरे के लिए पहुंचे थे, और उनसे आगामी बारामती से विधानसभा चुनाव के लिए अपने पोते युगेंद्र एस पवार को मैदान में उतारने का आग्रह किया। कथित तौर पर, एनसीपी (एसपी) प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वे बारामती में मौजूदा दादा को बदलकर एक नए व्यक्ति को लाना चाहते हैं। अजित पवार को उनके परिवार और पार्टी कार्यकर्ता प्यार से दादा कहकर बुलाते हैं, जबकि उनके भतीजे युगेंद्र को अब युगेंद्र दादा कहा जाने लगा है। इससे पहले लोकसभा चुनाव में शरद पवार की बेटी और राकांपा (सपा) नेता सुप्रिया सुले ने बारामती सीट पर प्रतिष्ठा की लड़ाई में अपनी भाभी और अजित पवार की पत्नी राकांपा उम्मीदवार सुनेत्रा पवार को 1,58,333 मतों के अंतर से हराया था। शरद पवार के एक और पोते, रोहित आर. पवार, वर्तमान में कर्जत-जामखेड से राकांपा (सपा) विधायक हैं। लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद अब इस मुखर उद्योगपति को पार्टी में बड़ी भूमिका की संभावना जताई जा रही है अजित पवार 1991 से लगातार चुनाव जीतते हुए बारामती से विधायक हैं। शरद पवार ने उन्हें महत्वपूर्ण मंत्री पदों पर नियुक्त किया। अब सवाल यह है कि क्या अजित अपने भतीजे के लिए अलग कदम उठाएंगे? युगेंद्र के अजित के खिलाफ चुनाव लड़ने की अटकलों पर प्रतिक्रियाएं सतर्क हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, हम पवार परिवार के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करते।राकांपा नेता जितेंद्र अवहाद ने कहा, बारामती उनका घर है। वे सबसे अच्छी तरह जानते हैं कि वहां क्या करना है। राकांपा महाराष्ट्र के अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा, अजित पवार अपने खिलाफ किसी भी रणनीति के बावजूद, बारामती से विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण बहुमत से जीतेंगे।

बंगाल की बेटी ममता बनर्जी ने खेला महिला कार्ड

गालिब ने बंगाल के बारे में कहा है कि बंगाल के लोग सौ साल पीछे भी जाते हैं और सौ साल आगे भी। 2024 के लोकसभा चुनाव के चुनाव परिणाम देखकर ऐसा ही कुछ कहा जा सकता है। पिछली बार के चुनाव परिणामों में बीजेपी ने 18 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था, हालांकि, टीएमसी को उस वक्त 22 सीटों पर जीत मिली थी। इस बार चुनाव जिस तरह ध्रुवीकरण की पिच पर लड़ा गया, उसमें दोनों दलों ने इंडिया गठबंधन के तहत लेफ्ट और कांग्रेस को मुकाबले से हटाकर दो तरफा कर दिया था। ऐसे में सभी एग्जिट पोल को गलत साबित करके ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 42 सीटों में 29 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। बीजेपी सिर्फ 12 सीटें ही जीत पाई। वहीं कांग्रेस के हाथ एक सीट आई है, जबकि लेफ्ट को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। तृणमूल की जीत में महिला केंद्रित मुद्दों (महिला फैक्टर) ने चुनाव में बड़ा रोल निभाया। इस जीत के पीछे महिलाओं के वोट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, पश्चिम बंगाल उन राज्यों में से है, जहां पुरुष प्रवासी सबसे बड़ी संख्या हैं।

समीक्षा के बाद आयोग से जल्द पत्राचार

सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर के मुताबिक, हार की समीक्षा में इसका खुलासा होने के बाद पार्टी अब अपना चुनाव चिन्ह बदलने की सोच रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में इस पर राय मांगी है। जल्द ही पार्टी इसके लिए चुनाव आयोग को पत्र लिखेगी। अनुरोध किया जाएगा कि या तो आयोग चुनावों में इस तरह के एक जैसे मिलते जुलते चुनाव चिन्ह ना आवंटित करें। या फिर सुभासपा का चुनाव चिन्ह छड़ी बदल दिया जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एआई के दुरुपयोग पर पोप का आग्रह सराहनीय

इटली में जी-7 देशों का सम्मेलन चल रहा है। उसमें भारत भी आमंत्रित सदस्य है। कई वैश्विक मसलों पर दुनिया के बड़े-बड़े नेता चर्चा करेंगे। शुक्रवार को वेटिकन सिटी के प्रमुख व ईसाइयों सबसे बड़े धर्मगुरू पोप फ्रांसिस ने सभी बड़े नेताओं से कहा कि आर्टीफिशियल इंटैलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग पर पूरे विश्व को सोचना चाहिए। पोप की चिंता वाकई जायज है। पिछले एक दो साल से ऐसी खबरें आई हैं कि एआई का इस्मेमाल करके कई असामाजिक तत्व माहौल खराब कर रहे हैं। जैसे एकबार अमरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के बाहर एआई तरीके से विस्फोट दिखाकर पूरी दुनिया में दहशत फैलाने की कोशिश हुई थी जिसे बाद पकड़ा गया तो पता चला कि वह एआई तकनीकि से अफवाह फैलाई गई थी। वहीं भारत में सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ी का भी एआई से दुरुपयोग करने की खबरें आ चुकी है। ऐसे में पोप का एआई की ओर दुनिया के नेताओं का ध्यान खिंचना सराहनीय है।

विश्वास किया जाना चाहिए दुनिया के सभी जिम्मेदार भविष्य में एआई की वजह से आने वाली तबाही को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाएंगे। दरअसल, मौजूदा दौर में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक ने सुविधाओं में इजाफा किया है, वहीं इसके गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। इन दिनों कृत्रिम मेधा के उपयोग से विकसित वॉयस क्लोनिंग की समस्या काफी गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न वॉयस क्लोनिंग डीपफेक के एक नए रूप में सामने आ रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोग अपनी पहचान वालों की आवाज तक को कॉपी करने लगे हैं, जिसे एआई वॉयस क्लोनिंग कहते हैं। इसके विकास के साथ-साथ क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। यह साइबर अपराधियों के लिए एक नया हथियार बन गया है। इसके जरिये किसी को भी आसानी से निशाना बनाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। साइबर क्राइम करने वाले धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्लोन की गई आवाज का उपयोग करते हैं। जैसे कि वे बैंकों, कंपनियों जैसी विश्वसनीय संस्थाओं के प्रतिनिधि , यहां तक कि पीड़ित के दोस्तों या परिजनों का रूप (आवाज) धारण कर व्यक्तिगत जानकारी या धन चुराने का प्रयास करते हुए कॉल करते हैं या ध्वनि मेल संदेश छोड़ते हैं। वहीं, द आर्टिफिशियल इम्पोस्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी भारतीय या तो पीड़ित हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वॉयस क्लोनिंग ठगी का शिकार हैं। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसे लोगों की संख्या 25 फीसदी है। इसे रोकने के प्रयास युद्धस्तर पर करने होंगे।

“ पोप की चिंता वाकई जायज है। पिछले एक दो साल से ऐसी खबरें आई हैं कि एआई का इस्मेमाल करके कई असामजिक तत्व माहौल खराब कर रहे हैं। जैसे एकबार अमरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन के बाहर एआई तरीके से विस्फोट दिखाकर पूरी दुनिया में दहशत फैलाने की कोशिश हुई थी जिसे बाद पकड़ा गया तो पता चला कि वह एआई तकनीकि से अफवाह फैलाई गई थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मिलीजुली सरकार के जनादेश के निहितार्थ

विश्वनाथ सचदेव

‘फिर एक बार मोदी सरकार’ और ‘अबकी बार 400 पार’ के नारों के साथ देश में नयी सरकार का गठन हो गया है। सरकार नयी तो है इसमें कोई संदेह नहीं, पर सत्तारूढ़ पक्ष द्वारा कोशिश यही बताने की हो रही है कि कहीं कुछ बदला नहीं है, कल जो सरकार थी वही आज भी है और कल भी वही रहेगी- मोदी सरकार। कार्पोरेट जगत की परिपाटी के अनुसार नयी सरकार को ‘मोदी 3.0’ कहा जा रहा है। यह सही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही नयी सरकार बनी है, पर सही यह भी है कि यह सरकार मोदी या भाजपा की नहीं बीजेपी के नेतृत्व वाली मिली-जुली सरकार है। 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव-परिणाम स्पष्ट बता रहे हैं कि मतदाता ने भाजपा को लोकसभा में सबसे बड़ा दल तो बनाया है, पर इतना बड़ा भी नहीं कि उसका एकछत्र राज हो सके।

कहने को तो पिछली दो सरकारें भी एनडीए की मिली- जुली सरकारें ही थीं, पर बाकी दलों पर भाजपा की अनुकंपा वाली स्थिति थी। इस बार ऐसा नहीं है। तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की ‘अनुकम्पा’ के बिना भाजपा की मोदी 3.0 सरकार चल नहीं सकती। इसीलिए ऐसा माना जा रहा है कि अब भाजपा की जोर-जबरदस्ती नहीं चलेगी। गठबंधन धर्म का मतलब ही यही है- सभी घटक दल एक-दूसरे का सम्मान करें! वर्चस्व तो बड़े दल का रहेगा पर दादागीरी किसी की नहीं चलेगी। देश में गठबंधन सरकारों का सिलसिला बहुत पुराना है। जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में जब स्वतंत्र भारत की पहली सरकार बनी थी तो उन्होंने स्वेच्छा से कांग्रेस से इतर दलों के नेताओं को अपनी सरकार का हिस्सा बनाया था। बाबा साहेब अंबेडकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेता इसी नीति के तहत तत्कालीन सरकार का हिस्सा बने थे, और तब तक बने रहे, जब तक उन्हें लगा कि बहुमत वाली कांग्रेस उन पर निर्णय थोप नहीं रही। बाद में भी कई गठबंधन सरकारें देश में बनी हैं। नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार मिली-जुली सरकारों के अच्छे उदाहरणों में गिनी जाती हैं।

वाजपेयी ने तो अपनी गठबंधन सरकार की सफलता के लिए कश्मीर और अयोध्या जैसे विवादित मुद्दों को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया था। ऐसा

समझौता गठबंधन की सरकार की सफलता का एक आधार होता है। सभी घटकों की विचारधारा को सम्मान मिले, इसे ध्यान में रखकर ही गठबंधन सरकारों में अक्सर सहमति के आधार पर न्यूनतम कार्यक्रम तय किए जाते हैं। नयी सरकार ने अभी तक ऐसा कोई कार्यक्रम तय नहीं किया है। संभव है अंदरखाने इस संदर्भ में कोई बातचीत हुई हो। पर नीतियों के बारे में सामान्य सहमति गठबंधन सरकार की सफलता की एक शर्त है, इसे भुलाया नहीं जाना चाहिए।

आदर्श स्थिति तो यह है कि गठबंधन ऐसे दलों के बीच में हो जिनकी बुनियादी नीतियों में कोई समानता हो। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। अक्सर गठबंधन का आधार सत्ता में हिस्सेदारी ही होता है। हैरानी तो इस बात पर भी होती है कि अक्सर एक-दूसरे के धुर विरोधी सत्ता के ‘फेविकोल’ से जुड़ जाते हैं। मौजूदा सरकार की ही बात करें, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को क्या-क्या नहीं कहा, और इन दोनों ने भी भाजपा के नेतृत्व को कब बख्शा? इस सबके बावजूद आज यह सब सत्ता में भागीदारी कर रहे हैं। दोनों ही तरफ से पिछले व्यवहार के लिए किसी प्रकार का खेद प्रकट नहीं किया गया है, और न यह कहा गया है कि उनसे कुछ गलती हुई थी। आदर्श स्थिति तो यह है कि सत्ता के लिए गठबंधन का हिस्सा बनने वाले अपने मतदाताओं से क्षमा मांग कर ही ऐसा करें। पर आदर्श वास्तविकता कब होते हैं? हमारे राजनेता गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर हैं और यह भी समझते हैं कि जनता की याददाश्त बहुत कमजोर होती है, मतदाता अगले चुनाव आने तक सब कुछ भूल जायेगा। बहरहाल, कभी-कभी गठबंधन सरकारें एक आवश्यकता, या कहना चाहिए विवशता, भी बन जाती हैं।

ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि बड़ा घटक दल छोटे के विचारों और भावनाओं का सम्मान करेगा। अब सवाल यह उठता है कि क्या हमारी वर्तमान सरकार में ऐसा कुछ होते हुए दिख रहा है। कहा जा सकता है कि अभी बहुत जल्दबाजी होगी इस संदर्भ में कोई निष्कर्ष निकालने में। लेकिन जिस तरह से मंत्रिमंडल का गठन हुआ है, और जिस तरह सभी महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पिछले मंत्रियों को ही बिठाया गया है, और जिस तरह पहले सौ दिन के कार्यक्रम घोषित किये जा रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि भाजपा इस सरकार को पिछली दो सरकारों की अगली कड़ी के रूप में ही दिखाना चाहती है-इसीलिए एनडीए सरकार के बजाय ‘मोदी 3.0’ सरकार कहने पर जोर दिया जा रहा है।

मौसम के कहर का मुकाबला पारंपरिक ज्ञान से

पंकज चतुर्वेदी

इस बार गर्मी के प्रकोप ने न तो हिमाचल की सुरम्य वादियों को बख्शा और न ही उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों को। चिंता की बात यह कि गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश जो कि गंगा-यमुना दोआब के साथ-साथ कई छोटी-मध्यम नदियों का घर है, और जो कभी घने जंगलों के लिए जाना जाता था, बुंदेलखंड की तरह तीखी गर्मी की चपेट में आ रहा है।

इन दिनों पूरा उत्तरी भारत तीखी गर्मी की चपेट में है। कुछ जगह पश्चिमी विक्षोभ के कारण बरसात भी हुई लेकिन ताप कम नहीं हुआ। देश के लगभग 60 फीसदी हिस्से में अब 35 डिग्री से 45 डिग्री की गर्मी के कहर के 100 दिन हो गए हैं। चेतावनी है कि आने वाले दो हफ्ते मौसम ऐसा ही रहेगा। यदि मानसून आ भी गया तो भले तापमान नीचे आ जाए लेकिन उमस से परेशानियां कायम रहेंगी। इस बार गर्मी के प्रकोप ने न तो हिमाचल की सुरम्य वादियों को बख्शा और न ही उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों को। चिंता की बात यह कि गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश जो कि गंगा-यमुना दोआब के साथ-साथ कई छोटी-मध्यम नदियों का घर है, और जो कभी घने जंगलों के लिए जाना जाता था, बुंदेलखंड की तरह तीखी गर्मी की चपेट में आ रहा है।

यहां पेड़ों की पत्तियों में नमी के आकलन से पता चलता है कि आगामी दशकों में हरित प्रदेश कहलाने वाला क्षेत्र सूखे, पलायन, निर्वनीकरण का शिकार हो सकता है। आधा जून पार हो गया व अभी भी शिमला, मनाली जैसे स्थानों का तापमान 30 के करीब है। मौसम विभाग ने इस महीने के आखिरी हफ्ते तक कई जगह लू की चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गर्मी ने 122 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। यहां तापमान 42.4 दर्ज किया गया। गर्मी अब इंसान के लिए संकट बन रही है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में तीखी गर्मी ने हवा की गुणवत्ता खराब की है। इसके अलावा लू लगने, चक्कर आने, रक्तचाप अनियमित होने से झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। वहीं लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई तो संकट भी। सबसे बड़ी बात गर्मी से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी घटी है। बोतलों में बिकने वाला पानी हो या फिर लोगों द्वारा सहेजकर रखा जल, दोनों गर्म होते हैं।

तीखी गर्मी में प्लास्टिक बोतल में उबलने के चलते पानी जहर बना दिया। पानी का तापमान बढ़ना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गर्म होने से जलीय जीव-जन्तु और वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता पर भी असर डाल रही है। गेहूं के दाने छोटे हो रहे हैं और पौष्टिक गुण घट रहे हैं। वैसे भी पका हुआ खाना जल्दी खराब हो रहा है। फल-सब्जियां जल्दी गल रही हैं। इस बार की गर्मी में रात का तापमान भी कम नहीं हो रहा है। पहाड़ हो या मैदानी महानगर, बीते दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक चल रहा है। सुबह चार बजे भी लू का अहसास होता है। ऐसे में बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। खासकर स्लम, नालों आदि के किनारे रहने वाले मेहनतकश लोग दिनभर उनींदे रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता पर असर पड़ रहा है। शारीरिक विकार हो रहे हैं। जो लोग सोचते हैं कि एयर कंडीशनर से इस गर्मी की मार से सुरक्षित हैं, वे भ्रम में हैं। लंबे समय तक एसी कमरों में रहने से नाड़ियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खमियाजा भोगना पड़ सकता है। यह गर्मी शरीर को प्रभावित करने के साथ ही इंसान की कार्यक्षमता पर भी असर डाल रही है। वहीं पानी-बिजली की मांग बढ़ती है, उत्पादन लागत भी बढ़ती है। बीते मार्च में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया कि गर्मी-लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि सम्पन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। सवाल है कि प्रकृति के इस बदलते रूप के सामने इंसान क्या करे? तो जान लें कि प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है। आधुनिक विज्ञान इस तरह की दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता जिसके पास तात्कालिक निदान और सुख के साधन तो हैं, लेकिन कुपित कायनात से जूझने में वह असहाय है।

समय आ गया है, इंसान बदलते मौसम के मुताबिक अपने कार्य का समय, भोजन, पहनावे आदि में बदलाव करे। अगर लू की मार और उमस से बचना है तो अधिकाधिक पारंपरिक पेड़ रोपें। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि सुरक्षित, निर्मल और अविरल रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे। खासकर बिसरा चुके कुएं और बावड़ियों के जीवंत रहने से जलवायु परिवर्तन के संकट से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। आवासीय और कार्यालयों के निर्माण की तकनीकी और सामग्री में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, भवनों को ईको फ्रेंडली होना, ऊर्जा संचयन, पलायन रोकना, ऑर्गेनिक खेती सहित कुछ ऐसे उपाय हैं जो बहुत कम व्यय में देश को इस गर्मी से राहत दिला सकते हैं।

टमाटर का बनाएं फेसपैक

टमाटर का पैक तैयार करने के लिए आपको एक टमाटर का पल्प चाहिए। इसके साथ ही एक टीस्पून गुलाब जल और चौथाई टीस्पून नींबू के रस की आपको जरूरत पड़ सकती है। एक कटोरे में इन सभी चीजों को मिलाकर इससे अपने चेहरे पर मसाज करें। मसाज करने के बाद तकरीबन 5 मिनट चेहरे को ऐसे ही रखें और फिर चेहरा धो लें। अगर आप 15 दिन में इस पैक का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा खिल उठेगी। टमाटर में मौजूद गुण चेहरे से दाग-धब्बों को हटाने और स्किन का निखार वापस लाने में बहुत फायदेमंद होते हैं। टमाटर में फोलिक एसिड और विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा होती है, जो स्किन पर मौजूद दाग और टैनिंग को हटाने में बहुत मदद करते हैं। इसके अलावा चेहरे की रंगत सुधारने और झुर्रियों को दूर करने के लिए भी टमाटर से बने फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद माना जाता है। वैसे तो टैनिंग से छुटकारा दिलाने वाले तमाम प्रोडक्ट्स आपको मार्केट में मिल जाएंगे, लेकिन इनमें केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। स्किन पर मौजूद टैनिंग को हटाने के लिए टमाटर के फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद और सुरक्षित माना जाता है।

पालक का फेसपैक

इसे तैयार करने के लिए आपको साफ किए हुए पालक की थोड़ी सी पत्तियों की जरूरत पड़ेगी। इसके साथ ही इसमें मिलाने के लिए आपको आधा केला चाहिए होगा। इस पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले इन दोनों चीजों को मिक्सी में पीस कर पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे दस मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। दस मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। आप 15 दिन में एक बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, ये तो आप जानते ही हैं। पालक केवल हेल्थ के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है।

इन सब्जियों से चमका सकते हैं चेहरा

सब्जियों के बने फेसपैक के इस्तेमाल से भी आपकी त्वचा खिल उठेगी। इनका इस्तेमाल करना और इन फेसपैक को बनाना बेहद ही सरल है।

खीरे का फेसपैक

वैसे तो आमतौर पर इसे सलाद, सब्जी या जूस के रूप में लिया जाता है, लेकिन ये चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। इसके लिए आप खीरे को अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। नियमित रूप से खीरे का फेस पैक लगाने से चेहरे की चमक बढ़ती है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट व एंटीइंफ्लेमेटरी गुण त्वचा पर निखार लाते हैं व दाग-धब्बों से मुक्त बनाते हैं। इसे बनाने के लिए आपको आधा खीरा चाहिए होगा। इसके साथ ही चौथाई कप ठंडी ग्रीन टी की भी आपको जरूरत पड़ेगी। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को छीलकर पीस लें। इसके बाद इसमें ठंडी ग्रीन टी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। तकरीबन दस मिनट के बाद आपको चेहरा धो लेना है। आप इसका इस्तेमाल हफ्ते में एक बार कर सकते हैं।

हम सभी को अक्सर ये सलाह मिलती है कि अपनी डाइट में ज्यादा से ज्यादा फलों और सब्जियों को शामिल करें। इनके सेवन से शरीर अंदर से तंदरूस्त बनता है। ऐसे में बड़े से लेकर बच्चे तक अपने खाने में फल और ज्यादा से ज्यादा सब्जियों का इस्तेमाल करते हैं। शरीर की आंतरिक तंदरूस्ती मजबूत करने के साथ बाहर से भी त्वचा की रंगत निखारना बेहद जरूरी होता है। बाहरी त्वचा की रंगत निखारने के लिए बाजार में कई प्रकार के फलों से बने फेसपैक मिल जाते हैं, पर सब्जियों के बने फेसपैक के इस्तेमाल से भी आपकी त्वचा खिल उठेगी। इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत भी नहीं हैं। इनका इस्तेमाल करना और इन फेसपैक को बनाना बेहद ही सरल है।

हंसना मना है

अध्यापक ने सभी बच्चों से 'क्रिकेट मैच' पर निबंध लिखन को कहा: सभी छात्र अपनी-अपनी कापी लेकर निबंध लिखने में जुट गए। मगर पप्पू चुपचाप बैठा था.. अध्यापक ने उसकी कापी देखी और देखते ही बेहोश हो गये। उस पर सिर्फ एक लाइन लिखी थी: बारिश की वजह से मैच स्थगित कर दिया गया है।

टीचर- कल क्यों नहीं आया? पप्पू- नहीं बताऊंगा? टीचर चांटा मारकर- जल्दी बता, पप्पू- वैलेंटाइन डे पर गर्लफ्रेंड के साथ था। टीचर- इतना छोटा होके भी गर्लफ्रेंड के साथ घूमता है, कौन थी वो लड़की? पप्पू- आपकी बेटी ! (टीचर बेहोश)।

अध्यापक- चिटू तुम कल स्कूल क्यों नहीं आए? चिंटू-सर , कल मैं सपने में अमरीका चला गया था। अध्यापक- ठीक है! पिन्टू तुम क्यों नहीं आए? पिन्टू-सर , मैं चिंटू को एयरपोर्ट छोड़ने गया था।

अध्यापक-रोहन, अगर तुम्हारे पास पंद्रह सेब हों जिनमें से छः तुम निर्मला को दे दो, चार सुनिता को दे दो और पांच डौली को दे दो तो तुम्हें क्या मिलेगा? रोहन- सर ! मुझे तीन नई गर्लफ्रेंड मिलेगी?

कहानी | चांद पर खरगोश

बहुत समय पहले गंगा किनारे एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। सभी सबसे बड़ा दानवीर बनना चाहते थे। एक दिन फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। उसके बाद बंदर उछलता-कूदता बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। यह सोचते-सोचते खरगोश खाली हाथ वापस चला गया। उससे तीनों मित्रों ने पूछा, अरें! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, पता है न तुम्हें। खरगोश ने कहा, हां, मुझे पता है, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर खरगोश के सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। उनके मन में हुआ कि खरगोश सही में बहुत बड़ा दानी है और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इतना कहते ही इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

कैरियर के शुरुआती सालों में मैं डिप्रेशन का शिकार रही : पश्मीना

पश्मीना रोशन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म के साथ ही वह इंडस्ट्री में अपना डेब्यू भी करने जा रही हैं। मूवी में उनके साथ रोहित सराफ भी नजर आने वाले हैं। फिल्म को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं। ऐसे में इसकी कास्ट और पूरी टीम मूवी का जमकर प्रमोशन करते हुए नजर आ रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म को प्रमोट करते हुए पश्मीना ने अपनी मेंटल हेल्थ और इस फिल्म में की गई मेहनत के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने इस बात को स्वीकार किया की अपने शुरुआती सालों में वह डिप्रेशन से जूझ रही थीं। इसके बारे में खुलकर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पहले काफी कंफ्यूज रहती थीं। उस समय वह सोचती थी कि वह एक अच्छी एक्ट्रेस बन पाएंगी या नहीं। पश्मीना अपने स्कूल के टाइम से ही एक्टिंग कर रही हैं। हालांकि, वह इसे लेकर श्योर नहीं थी कि उन्हें अपना करियर एक्टिंग में ही बनाना है या नहीं। इसकी वजह से पश्मीना ने मार्केटिंग का कोर्स करने के लिए विदेशों के कई कॉलेज में अप्लाई भी कर दिया था, लेकिन वह अपने आप को उसके लिए भी अच्छा नहीं समझती थीं। इसके साथ ही इश्क विश्क रिबाउंड की एक्ट्रेस ने बताया कि उस समय उनके पास कॉन्फिडेंस की भी काफी कमी थी। फिर उन्होंने अपने हुनर को जानने के लिए फोटोशूट करवाया और उसे अपने परिवार वालों को दिखाया। उसे देखने के बाद उनकी फैमिली ने कहा कि हर किसी में कुछ न कुछ हुनर होता है, लेकिन उसको निखारना पड़ता है।

शर्मिन सहगल की ट्रोलिंग से खुश नहीं फरदीन खान

संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी : द डायमंड बाजार जब से रिलीज हुई है तभी से किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी हुई है। दर्शकों और क्रिटिक्स ने इसे मिक्स रिव्यू दिए थे। सीरीज में भंसाली की भांजी और एक्ट्रेस शर्मिन सहगल, आलमजेब के किरदार में नजर आई हैं। उनकी बिना एक्सप्रेशन वाली एक्टिंग के चलते एक्ट्रेस को ट्रोल किया गया था। इसके बाद अलग-अलग इंटरव्यू में अपनी को-स्टार्स अदिति राव हैदरी, संजीदा शेख और ऋचा चड्ढा संग शर्मिन के घमंडी बर्ताव को देख भी यूजर्स उनपर नाराज हुए।

हीरामंडी को नेटफ्लिक्स पर आए एक महीने से ज्यादा का वक्त हो गया हैं। लेकिन अभी भी शर्मिन सहगल ट्रोल्स से नहीं बच पाई हैं। अलग-अलग वजह से शर्मिन लगातार ट्रोल्स के निशाने पर हैं। इसपर अब सेलेब्स ने भी बात करना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले अध्ययन और शेखर सुमन ने इस बारे में बात की थी। अब हीरामंडी में वली मोहम्मद का किरदार निभाने वाले फरदीन खान, शर्मिन के बचाव में आगे आए हैं।

एक इंटरव्यू में फरदीन ने शर्मिन के ट्रोल होने की बात को लेकर कहा, मुझे लगता है कि ये ट्रोलिंग बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। हर किसी को यह हक है कि वो किसी की परफॉर्मेंस को पसंद करे या न करें। लेकिन ये ट्रोलिंग गलत है और बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। मुझे लगता है कि उन्होंने हीरामंडी में बहुत अच्छा काम किया है। उनका रोल बहुत कॉम्प्लेक्स और चैलेंजिंग था। वो कुछ बड़े टैलेंट्स के साथ काम कर रही थीं। मेरे लिए उनकी परफॉर्मेंस स्ट्रॉन्ग थी और उनके करियर के लिए ये एक अच्छी शुरुआत थी। इससे पहले हीरामंडी में नवाब जोरावर का किरदार निभाने वाले अध्ययन सुमन ने अपनी को-स्टार शर्मिन सहगल को सलाह दी थी। बॉलीवुड हंगामा संग इंटरव्यू के दौरान अध्ययन सुमन ने कहा था, मुझे लगता है कि वहम में न रहना जरूरी है। किसी भी तरह की असलियत को अपना लेना बहुत जरूरी है। ये समझना बहुत जरूरी है आप कौन हैं।

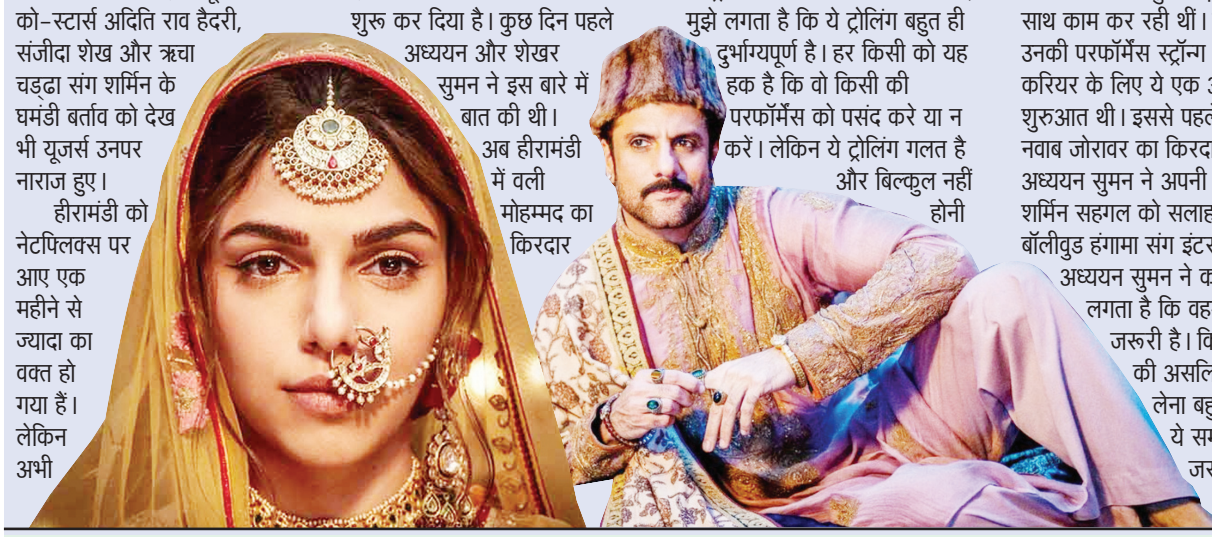

अपनी खूबसूरती के जाल में 100वां शिकार करने आ गई है यक्षिणी

ओटीटी पर मोस्ट अवेटेड सुपरनैचुरल शो रिलीज हो गई है, जिसे देखने के लिए बच्चे से लेकर बड़े सभी लंबे समय से अपनी नजरे गड़ाए बैठे थे। इस शो का नाम 'यक्षिणी' हैं। यक्षिणी 14 जून 2024 को तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी, बांग्ला और मराठी भाषा में डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो गई है। यक्षिणि का निर्देशन तेजा मारनी ने किया है।

हालांकि, इससे पहले भी टीवी पर कई ऐसे सुपरनैचुरल शोज आएं हैं, जैसे नागिन, पिशाचिनी और ब्रह्मराक्षस। लेकिन इस बार मेकर्स अलग कांसेप्ट लेकर आएं हैं, जिसे देखने के बाद दर्शकों की खुशी सातवें आसमान पर हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि यक्षिणी में क्या कुछ खास है।

कैसे है यक्षिणी की कहानी?

यक्षिणी एक तेलुगु वेब सीरीज है, जिसमें यक्षिणी एक सामान्य पुरुष से प्यार कर बैठी है। जिसकी वजह से अलकापुरी के नियमों का उल्लंघन होता है और फिर उसे श्राप मिलता है, कि अगर उसे अलकापुरी में वापस आना है, तो उसे अपनी खूबसूरती का फायदा उठाकर 100 ऐसे पुरुषों का कत्ल करना होगा जिसे अपनी जान की बिल्कुल भी परवाह न हो। जिसके बाद यक्षिणी अपने 99 शिकार का कत्ल करने में सफल हो जाती है और अपने 100वें शिकार को ढूंढने में जुट जाती है। इस दौरान उसे एक ऐसा पुरुष मिलता है, जो शादी से बहुत दूर भागता है लेकिन जब उसकी मुलाकात यक्षिणी से होती है तब वह उसके प्यार में पड़ जाता है। वैसे मैं यह देखना बिल्कुल दिलचस्प रहेगा कि क्या यक्षिणी अपने मिशन में सक्सेसफुल हो पाती है और अलकापुरी वापस लौटी है या नहीं? सभी तरह के सवालों के लिए दर्शकों को फटाफट डिजनी हॉटस्टार पर जाना होगा। यक्षिणी में लक्ष्मी मंचू ज्वालामुखी का, राहुल विजय कृष्ण का, वेदिका माया यानी यक्षिणी का किरदार निभा रही हैं। इनके अलावा सीरीज में जैमिनी सुरेश, श्रीनिवास, तेज काकूमनु, दयानंद रेड्डी, तेनाली शकुंतला, ललिता कुमारी, प्रनिथा, त्रिनाथ, नवीन नैनी, हनुवीर, सई किरण जैसे कई एक्टर्स नजर आएंगे। यक्षिणी सीरीज देखने के बाद आपके मन में एक ही सवाल उठने वाला है कि आखिर यक्षिणी है कौन? तो हम आपको बता दें कि यक्षिणी एक देवदूत है, जो मंदिर की रक्षा करती है। इनके देवता भगवान कुबेर होते हैं।

अजब-गजब | यह नजारा देख उड़े स्कूल वालों के होश

यहां एक साथ 14 जुड़वा और एक तिड़वा बच्चों ने पास की परीक्षा

ये दुनिया अप्रत्याशित चीजों से भरी पड़ी है। कब क्या हो जाए, कोई नहीं जान सकता। एक अनोखा वाकया फ्लोरिडा के एक स्कूल में भी हुआ, जिसने सभी को हैरान कर दिया। हुआ यूं कि इसी महीने की शुरुआत में फ्लोरिडा के एक हाईस्कूल से 10वीं के बच्चे ग्रैजुएट हुए। पर जब स्टेज पर एक के बाद एक जुड़वा भाई बहन दिखने लगे, तो लोगों के होश उड़ गए। इस भीड़ में 1 तिड़वा बच्चे भी थे। स्कूल को भी नहीं पता था कि इस बैच में इतने सारे ट्विंस और ट्रिपलेट्स मौजूद हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के साउथ फ्लोरिडा में कूपर सिटी हाई स्कूल मौजूद है। 5 जून को हाई स्कूल बैच के 543 बच्चों का ग्रैजुएशन डे था। वो अगली कक्षा में प्रमोट हो रहे थे। इस मौके पर पता चला कि बैच में कई जुड़वा और तिड़वा बच्चे भी हैं। इसमें आइडेंटिकल ट्विंस के 2 सेट, यानी एक दूसरे से मिलती-जुलती शक्ल के 2 सेट और बाकी 12 सेट फ्रेंटर्नल ट्विंस थे, यानी वो एक साथ पैदा हुए थे पर एक जैसी शक्ल के नहीं थे।

स्कूल की प्रिंसिपल ने कहा कि ये उनके लिए काफी स्पेशल पल था क्योंकि उनमें से एक स्टेज पर आकर उनसे हाथ मिलाता, वो उसे डिप्लोमा सर्टिफिकेट देतीं, और फिर दूसरा भी आ जाता और वो उसे भी उसी प्रकार डिप्लोमा सर्टिफिकेट दे देती थीं। उन्होंने कहा कि ये दर्शाता है कि वो अलग-अलग व्यक्ति हैं, पर वो इतने सालों तक साथ ही रहे हैं। एक लड़की ने कहा कि ये देखना काफी हैरान करने वाला है कि आपकी तरह इतने लोग मौजूद हैं। अब ये बच्चे आगे की शिक्षा के लिए लिए तैयार हो रहे हैं। मुमकिन है कि इनमें से कई अब अलग-अलग जगह जाकर अपनी अलग जिंदगी बनाएंगे। गेब्रियल नाम की एक लड़की ने कहा कि वो जहां भी जाती थी, हमेशा उसे उसकी बहन के साथ ही देखा जाता था, पर अब उसे एक अलग इंसान के तौर पर देखा जाएगा। वहीं दो जुड़वा भाइयों ने कहा कि अलग-अलग रहना काफी मुश्किल होगा, पर वो वीडियो कॉल के जरिए एक दूसरे से जुड़े रहेंगे।

वो देश जहां ब्रिज बनाने से पहले जिंदा दफनाए जाते थे महिला-पुरुष

आपने फिल्मों या फिर पौराणिक कथाओं पर आधारित सीरियलों में देखा होगा कि पुराने समय में इंसानों की बलि दी जाती थी। अगर आपको लगता है कि ये सिर्फ अफवाह या काल्पनिक बातें हैं तो शायद आपको जापान के बारे में नहीं पता। 16वीं सदी तक जापान में एक हैरान करने वाली प्रथा थी। यहां पर नरबलि दी जाती थी। वो भी ब्रिज, किले, या डैम बनाने से पहले! आज हम आपको इस प्रथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे हितोबाशिरा के नाम से जाना जाता है। अम्यूजिंक प्लैनेट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार जापान में 16वीं सदी तक जब भी किले, ब्रिज, या डैम बनाए जाते थे, तो उसके नीचे इंसानों कों जिंदा दफनाया जाता था उसके बाद निर्माण कार्य शुरू होता था। इस प्रथा को हितोबाशिरा या फिर डा शेंग ज्हुआंग के नाम से जापान में जाना जाता था। माना जाता था कि इन चीजों के निर्माण के दौरान धरती को खोदने की वजह से जमीन का फेंगशुई हिल जाता था। यानी उन्हें लगता था कि वो अशुभ कार्य करने वाले हैं। इस कार्य के दौरान या उसके पूरा होने पर कोई अपशकुन घट सकता था।

इस वजह से वो अपशकुन को कम करने के लिए लोगों की बलि चढ़ाते थे। इस तरह वो भगवान को खुश करते थे जिससे भगवान का आशीर्वाद मिल सके और वो ढांचा किसी प्राकृतिक आपदा या दुश्मनों के हमले का शिकार न हो जाए। क्लासिक जापानी इतिहास पर आधारित किताब निहोन शोकी में इस प्रथा के साक्ष्य पढ़ने को मिलते हैं। माना जाता है कि किताब में जो चीजें बताई गई हैं, वो 300 एडी के आसपास की हैं। जापान के होकिरीको प्रांत में मौजूद मारुओका किले के लिए ये दावा किया जाता है कि इसे हितोबाशिरा प्रथा के तहत ही बनाया गया था। इसी तरह मात्सुए ओहाशी ब्रिज को बनाने से पहले भी इंसान की बलि चढ़ाई गई थी। इसी तरह की एक प्रथा चीन में भी थी, जिसे साकडूलंग के नाम से जाना जाता है। इस प्रथा में भी बाढ़ के दौरान बच्चे को किसी डैम के निकासी द्वार के पास पानी में फेंक दिया जाता था। माना जाता था कि इस तरह बाढ़ को रोका जा सकता है।

अडानी ग्रुप धारावी का सिर्फ विकास करेगा

धारावी की जमीन महाराष्ट्र सरकार के विभागों को होगी हस्तांतरित

» भूमि हड़पने का आरोप गलत

» डीआरपीपीएल को विकास अधिकार मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। करोड़ों रुपये की धारावी झुग्गी-बस्ती पुनर्विकास परियोजना में अडानी समूह को भूमि का हस्तांतरण शामिल नहीं है। सूत्रों ने इस बारे में स्थिति साफ करते हुए कहा है कि परियोजना में भूमि का हस्तांतरण महाराष्ट्र सरकार के विभागों को किया जाना है और अहमदाबाद का समूह सिर्फ एक परियोजना डेवलपर के रूप में मकान बनाएगा जो उन्हीं विभागों को सौंपे जाएंगे। बाद में इन घरों का आवंटन एशिया की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के निवासियों को किया जाएगा। सांसद वर्षा गायकवाड़ ने इस मामले में भूमि हड़पने का आरोप लगाया है।

इन आरोपों पर परियोजना से जुड़े सूत्रों ने कहा कि जमीन के टुकड़े सिर्फ राज्य सरकार के आवास विभाग के धारावी पुनर्विकास परियोजना/स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (डीआरपी/एसआरए) को हस्तांतरित किए जाने हैं। अडानी समूह ने खुली अंतरराष्ट्रीय बोली में धारावी स्लम पुनर्विकास परियोजना हासिल की थी। समूह अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी धारावी रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट प्राइवेट लि. के माध्यम से आवास और वाणिज्यिक स्थान बनाएगा और उन्हें फिर से डीआरपी/एसआरए को सौंप देगा। परियोजना पर गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश करते हुए सूत्रों ने कहा कि निविदा के अनुसार, भूमि सरकार द्वारा तय दरों पर डीआरपी/एसआरए को आवंटित की जाएगी। इस मामले में जहां डीआरपीपीएल को विकास अधिकार मिला हैं, राज्य समर्थन समझौता, निविदा दस्तावेज का हिस्सा है। यह स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्य सरकार अपने स्वयं के डीआरपी/एसआरए विभाग को भूमि देकर परियोजना का समर्थन करेगी। रेलवे भूमि के आवंटन के मुद्दे पर, जहां धारावी के निवासियों के पहले सेट की पुनर्वास इकाइयां बनाई जानी हैं, सूत्रों ने कहा कि इसे निविदा से पहले ही डीआरपी को आवंटित किया गया था, जिसके लिए डीआरपीपीएल ने प्रचलित दरों पर 170 प्रतिशत के भारी प्रीमियम का भुगतान किया है।

2000 या उससे पहले के वासिंदे पुनर्वास के पात्र

एक जनवरी, 2000 को या उससे पहले मौजूद मकानों के धारक यथास्थान पुनर्वास के पात्र होंगे। एक जनवरी, 2000 से एक जनवरी, 2011 के बीच मौजूद लोगों को धारावी के बाहर मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कहीं भी पीएमएवाई के तहत सिर्फ 2.5 लाख रुपये में या किराये के माध्यम से घर आवंटित किए जाएंगे।

धारावीवासियों को धारावी से बाहर नहीं निकाला जाएगा

इन आरोपों को कि धारावीवासियों को धारावी से बाहर निकाल दिया जाएगा और बेघर कर दिया जाएगा, को पूरी तरह से काल्पनिक और जनता के बीच चिंता पैदा करने के लिए एक कल्पना करार देते हुए सूत्रों ने कहा कि सरकार के 2022 के आदेश में यह शर्त रखी गई है कि धारावी के प्रत्येक निवासी (पात्र या अपात्र) को एक घर दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि डीआरपी/एसआरए योजना के तहत किसी भी धारावीवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा।

इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं को स्वाति मालीवाल की चिट्ठी

» राहुल गांधी से मांगा मिलने का समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीती 13 मई को दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई घटना के बाद एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। स्वाति मालीवाल ने अपने मामले को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं को चिट्ठी लिखी है और उन्होंने मिलने का समय भी मांगा है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बताया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों से मैंने जमीन पर काम किया है और नौ सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की।

पिछले 18 सालों से मैंने ज़मीन पे काम किया है और 9 सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई करी है। बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके, महिला आयोग को एक बहुत ऊँचे मक़ाम पे खड़ा करा है। पर बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पे बुरी तरह पीटा गया। उन्होंने आगे लिखा कि बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके हुए। महिला आयोग को एक बहुत ऊंचे मुकाम पर खड़ा किया। लेकिन बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पर बुरी तरह पीटा गया, फिर मेरा चरित्र हरण किया गया है। आज इस विषय पर मैंने इंडिया गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है। मैंने सबसे मिलने का समय मांगा है।

राजनीति त्याग हरियाणा सरकार यमुना में पानी छोड़े : आतिशी

पानी के बिना दिल्ली वाले हो रहे परेशान

» बोलीं - भाजपा समझे लोगों का दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार जल संकट बना हुआ है। पानी की समस्या को लेकर आए दिन दिल्ली सरकार घेरे में रहती है। वहीं, भीषण गर्मी के बीच पर्याप्त पानी न मिलने से लोगों को काफी दिक्क्तों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने जल संकट पर एक बयान दिया है। उन्होंने हरियाणा सरकार से यमुना में पानी छोड़ने की गुजारिश की है।

मंत्री आतिशी ने कहा, हरियाणा सरकार से एक बार फिर निवेदन करती हूं, जल संकट से दिल्लीवाले बहुत परेशान हैं। इसलिए यमुना में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ें। दिल्ली में वजीराबाद बैराज से वजीराबाद, चंद्रवाल और ओखला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को पानी पहुंचता है। वहीं, हरियाणा सरकार द्वारा यमुना में पानी न छोड़े जाने के कारण इसका जलस्तर 674.5 फीट से गिरकर 668 फीट पहुंच गया है। हालत यह कि, वजीराबाद तालाब में सूखे टीले दिखने लगे हैं। इससे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स में पानी का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

नीट पर बवाल, आप का जंतर-मंतर पर हल्ला बोल

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट के पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली समेत देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। छात्रों की मांग है कि नीट का एग्जाम दोबारा से कराया जाए। वहीं दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी ने अपने ऑफिशियल एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया है कि नीट एग्जाम में हुए घोटाले के खिलाफ जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी का हल्ला बोल शुरू हो चुका है। आप ने कहा कि देश के भविष्य युवाओं के साथ अन्याय बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वर्तमान गोदी मीडिया पर करारा प्रहार

» देश भर के साहित्य प्रेमियों का जमावड़ा

» भोपाल में नीलम जयंती शब्द उत्सव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल में मध्यप्रदेश साहित्य सम्मेलन का नीलम जयंती शब्द उत्सव मनाया गया। इसमें देश के अनेक राज्यों के साहित्यकारों ,कथाकारों, कवियों, उपन्यासकारों , बुद्धिजीवियों ,कलाकारों, पत्रकारों ,संपादकों और समाज के अनेक वर्गों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। चार दिन तक चले इस जलसे में भारत के प्रतिनिधि सरोकारों और उनकी साहित्य में मौजूदगी पर विचारोत्तेजक मंथन हुआ।

इसमें जाने माने कवि पद्मश्री राजेश जोशी,कृषि विषयों के मशहूर लेखक पद्मश्री बाबूलाल दहिया , संस्कृत के विद्वान डॉक्टर राधावल्लभ त्रिपाठी, कथाकार और चिंतक शशांक ,जाने माने प्रसारक राजीव शुक्ल ,शीर्षस्थ कथाकार - हरीश पाठक ,कवि और पत्रकार डॉक्टर सुधीर सक्सेना ,वरिष्ठ पत्रकार-लेखक और बायोपिक निर्माता - निर्देशक राजेश बादल , वरिष्ठ संपादक जे पी दीवान ,प्रखर गांधीवादी पत्रकार डॉक्टर राकेश पाठक ,कवि -पत्रकार विष्णु नागर मौजूद रहे।

मिस्टर मीडिया पुस्तक का लोकार्पण

वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल की पुस्तक मिस्टर मीडिया का लोकार्पण भी हुआ। यह पुस्तक भारतीय पत्रकारिता के तमाम अवतारों की मौजूदा भूमिका का समीक्षात्मक अध्ययन है । क़रीब तीन दशक तक एशिया के सबसे बड़े प्रकाशन संस्थान नेशनल बुक ट्रस्ट के संपादक रहे पंकज चतुर्वेदी इसके सूत्रधार हैं। पंकज ने सेवानिवृत होने के बाद अपना प्रकाशन संस्थान प्रवासी प्रेम पब्लिकेशंस प्रारंभ किया है। मिस्टर मीडिया इसी संस्थान की प्रस्तुति है और भारतीय हिंदी पत्रकारिता के एक महानायक सुरेंद्र प्रताप सिंह को समर्पित है ।

निकोलस पूरन के तूफान में उड़ा अफगानिस्तान

» टी20 विश्व कप : वेस्टइंडीज की टीम ने 104 रनों से रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2024 के 40वें मैच में अफगानिस्तान को 104 रन से हरा दिया। इस मैच में विंडीज टीम के बैटर निकोलस पूरन ने बल्ले से खूब धूम-धड़ाका किया। वेस्टइंडीज टीम ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड 218 रन का स्कोर खड़ा कर दिया था ,जो कि इस टूर्नामेंट का सबसे बड़ा टोटल रहा। इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 114 रन पर ढेर हो गई और वेस्टइंडीज ने ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में भी जीत हासिल की। निकोलस ने उम्दा बल्लेबाजी करते हुए 98 रन बनाए। इसमें एक ओवर में बनाए हुए 36 रन भी शामिल हैं। उन्होंने वेंस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी का तमगा भी पाया।

ये टी20 विश्व कप 2024 में वेस्टइंडीज की लगातार चौथी जीत रही। इस मैच में जमकर रनों की बरसात के साथ इस मैच में कई बड़े-बड़े रिकॉर्ड्स टूटे। वेस्टइंडीज की टी20 इंटरनेशनल में ये दूसरी सबसे बड़े अंतर से जीत रही। अफगानिस्तान को वेस्टइंडीज ने 104 रन से हराया। इससे पहले 2024 में ही युगांडा के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2024 के मैच में वेस्टइंडीज ने 134 रन से जीत दर्ज की थी।

वेस्टइंडीज बड़े अंतर से जीत की लिस्ट

134 रन, वेस्टइंडीज बनाम युगांडा, गुयाना, 2024
104 रन, वेस्टइंडीज बनाम अफगानिस्तान, ग्रोस आइलेट, 2024, 84 रन, वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान, मीरपुर, 2014, 74 रन, वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलंबो आरपीएस, 2012
73 रन, वेस्टइंडीज बनाम बांग्लादेश, मीरपुर, 2014।

अफगानिस्तान के लिए सबसे बड़ी हार का अंतर

116 रन,अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, कोलंबो आरपीएस, 2012, 104 रन, अफगानिस्तानबनाम वेस्टइंडीज, ग्रोस आइलेट, 2024, 101 रन, अफगानिस्तान बनाम भारत, दुबई, 2021
72 रन, अफगानिस्तानबनाम श्रीलंका, दांबुला, 2024, 68 रन, अफगानिस्तान बनाम आयरलैंड, अबू धाबी, 2013।

वायनाड को लेकर भाजपा व कांग्रेस में मचा घमासान

» बीजेपी ने प्रियंका के लड़ने पर लगाया वंशवाद का आरोप

» खेड़ा बोले- मोदी ने भी बड़ोदरा में दिया था धोखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, भाजपा ने कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया है। वहीं भाजपा पर भी कांग्रेस ने पलटवार किया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर जनता को धोखा देने और अपने इरादों को छिपाने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर ने कहा, बेशर्मी है और कांग्रेस की बेशर्मी है - वायनाड के मतदाताओं पर अपने वंश के एक के बाद एक सदस्यों को थोपना - बेशर्मी से इस तथ्य को छिपाने के बाद कि राहुल दूसरे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, विश्वासघात का यह पैटर्न ही कारण है कि कांग्रेस को राहुल गांधी के नेतृत्व में तीसरी बार चुनाव हार का सामना करना पड़ा है। चंद्रशेखर को जवाब देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने ट्रैक रिकॉर्ड की ओर इशारा किया। खेड़ा ने चुटकी लेते हुए कहा, क्या नरेंद्र मोदी ने वडोदरा के मतदाताओं से बेशर्मी से यह बात छिपाई कि वे 2014 में वाराणसी से भी चुनाव लड़ेंगे? वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र कर रहे थे जिन्होंने 2014 में वडोदरा और वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ा था और दोनों में जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने वडोदरा निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया और वाराणसी सीट बरकरार रखी।

खरगे ने प्रियंका को लेकर दिया था बयान

सोशल मीडिया पर यह तीखी बहस कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे की उस घोषणा के बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा क्षेत्र को बरकरार रखेंगे और केरल में वायनाड सीट खाली करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनावी मैदान में उतरेंगी। अगर वे निर्वाचित होती हैं तो यह प्रियंका गांधी वाड्रा का संसद सदस्य के रूप में पहला कार्यकाल होगा। इसके अलावा, यह पहली बार होगा जब सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ संसद में काम करेंगे।

लखनऊ के चिनहट इलाके के गैराज में लगी भीषण आग

» एक के बाद एक कई गाड़ियों में ब्लास्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चिनहट में मंगलवार को देवा रोड पर बाबा हॉस्पिटल के पीछे एक कार गैराज में आग लग गई। हादसे में एक के बाद एक कई गाड़ियों में ब्लास्ट हो गया। धमाकों की दहशत से लोग दहल उठे। दमकल कर्मी पांच गाड़ियों से आग पर काबू पाने में जुट गए। बाबा हॉस्पिटल के पीछे यूनिक मोटर नामक कार गैराज है। मंगलवार सुबह आठ बजे गैराज में खड़ी एक सीएनजी कार में आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने 20 अन्य गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया फिर गाड़ियां एक के बाद एक ब्लास्ट होने लगीं। तेज धमाके के कारण इलाके में रहने वाले लोग दहल उठे। वहां अफरातफरी मच गई। लोगों ने दमकल को घटना की सूचना दी। वे खुद भी आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे। मगर ब्लास्ट होने के कारण आग विकराल हो उठी।

सात लग्जरी गाड़ियां जलकर राख

सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने राहत कार्य शुरू कर दिया है। एफएसओ गोमतीनगर सुशील यादव टीम के साथ पांच गाड़ियों से आग बुझाने में जुट गए। हादसे में जली 20 में 7 लग्जरी गाड़ियां थी। एफएसओ के मुताबिक आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। हादसा शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ है। गैराज बंद था इसलिए कर्मी आग की चपेट में आने से बच गए।

अमरनाथ में भंडारे के लिए भेजा गया अन्न का सामान

» गौरी शंकर अमर नाथ सेवा संस्थान करता है आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्राचीन श्री ग़ौरी शंकर अमर नाथ सेवा संस्थान व श्री बाबा अमरनाथ बर्फानी संस्थान यात्रा 2024 जम्मू कश्मीर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आरंभ होने जा रही है लखनऊ से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है, 27 वें वर्ष भी यह आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत आज चौक में भगवान शिव का दिव्य पूजन- अर्चन आचार्य राजेश शुक्ल एवं नीरज अवस्थी द्वारा कराया गया। स्वामी स्वामी अर्पितानंद जी, विष्णु अवस्थी, आशीष मिश्रा ने संतोषी माता मंदिर के शिवालय में भोग लगाकर भंडारे को आरंभ कराया।

कायक्रम के संयोजक पार्षद अनुराग मिश्राने आए हुए मुख्य अतिथियों का माला और दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। वंही लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला,महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी जी ने पांच गाड़ी रशद सामग्री को हरी झंडी दिखाकर हर हर महादेव के नारे के साथ रवाना किया और 160 लोगों को अमरनाथ यात्रा किट प्रदान की।

यूपी में प्रचंड गर्मी ले रही लोगों की जान

» आगरा में 46.3 डिग्री पहुंचा पारा, कई लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में गर्मी चरम पर है। उसका कहर अब लोगों की जान ले रहा है। पिछले चार-पांच दिनों में सैकड़ों लोग जानलेवा लू के शिकार बन गए हैं। उधर मौसम विभाग का कहना है कि अभी लू व गर्मी में तीन-चार दिनों तक राहतकी कोई उम्मीद नहीं है। आगरा में 46.3 डिग्री तापमान और लू के थपेड़ों से हाल बेहाल रहा। भीषण गर्मी में तीन युवकों की मौत हो गई, तो वहीं चार सैलानियों की तबीयत स्मारकों में खराब हो गई।

आगरा किला में दो और ताजमहल पर दो सैलानियों को प्राथमिक उपचार दिया गया। मौसम विभाग ने 18 जून से 19 जून तक उत्तर भारत के राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में हीट वेव का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही हिमाचल प्रदेश और बिहार में भी भीषण गर्मी पड़ेगी। 18 जून को जम्मू कश्मीर, उत्तर मध्य प्रदेश में और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और उत्तरी राजस्थान में 18-19 जून तक हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया गया है। ओडिशा, झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल में भी गर्मी और उमस का अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्वी राज्यों में बारिश का अलर्ट

पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज से अगले दो दिनों तक जम्मू कश्मीर, लद्दाख, गिलगित बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही उप-हिमालयी पश्चि म बंगाल और सिक्किम में भी गरज के साथ हल्की से मध्य बारिश की संभावना है। इस दौरान 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। झारखंड, बिहार और ओडिशा में भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 20-21 जून को ओडिशा में भारी बारिश की आशंका है।

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन पर छाया संकट

» शिंदे ने उपमुख्यमंत्रियों के साथ की बैठक

» भाजपा के नेता दिल्ली पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा के कई नेता एक समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हुए हैं। वहीं इसके बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ बैठक भी की है। हालांकि इस बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई है, ये स्पष्ट नहीं हो सका है। सूत्रों के मुताबिक ये बैठक लोकसभा चुनाव में महायुति गठबंधन पार्टियों के खराब बैठक को लेकर केंद्रित थी।

भाजपा सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के साथ अपने अधिकारिक आवास वर्षा में बैठक की है। वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बैठक से जाने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कुछ देर तक के लिए जारी रही। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के नेता रोहित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व में सत्तारूढ़ राकांपा के 18 से 19 विधायक राज्य विधानमंडल के आगामी मानसून सत्र के बाद उनके पक्ष में आ जाएंगे। पत्रकारों से बात करते हुए, रोहित पवार ने कहा कि ऐसे कई एनसीपी विधायक हैं जिन्होंने जुलाई 2023 में संगठन में विभाजन के बाद पार्टी के संस्थापक शरद पवार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ कभी भी बुरा नहीं बोला।

रविंद्र वायकर लोकसभा नहीं पहुंचेंगे : राउत

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शिवसेना सांसद रविंद्र वायकर पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रविंद्र वायकर पहले शिवसेना में थे, लेकिन ईडी, सीबीआई के डर से पार्टी छोड़ गए थे। पहले उन्हें उनके खिलाफ चल रहे ईडी के मामले पर बात करनी चाहिए कि उसकी जांच क्यों रुक गई? हमने ईवीएम पर सवाल नहीं उठाया है, लेकिन व्यवस्था पर सवाल उठाया है। हमने रिटर्निंग अफसर पर सवाल उठाए हैं...रविंद्र वायकर लोकसभा नहीं पहुंचेंगे। रविंद्र वायकर मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से महज 48 वोटों से जीते हैं, उन्होंने उद्धव ठाकरे की शिवसेना के उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर को करीबी मुकाबले में हराया। हालांकि ये चुनाव नतीजा विवादों में फंस गया है। दरअसल अमोल कीर्तिकर ने मतगणना केंद्र पर धांधली का आरोप लगाया है। मुंबई पुलिस ने रविंद्र वायकर के साले मंगेश पांडिलकर के खिलाफ मामला भी दर्ज किया है। आरोप है कि 4 जून को आम चुनाव के नतीजों की घोषणा के समय मंगेश को कथित तौर पर मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए देखा गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।